पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने नेताजी सुभाष चन्द बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊः 23 जनवरी, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने नेताजी सुभाष चन्द बोस की जयन्ती पर लखनऊ स्थित उनकी प्रतिमा पर जाकर माल्यार्पण किया तथा अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने देश की आजादी में अपने योगदान की अमिट छाप छोड़ी है। वे चाहते थे कि सशस्त्र सेना के आधार पर आजादी मिले। देश में जब अंग्रेजों का दुशासन चल रहा था तो उन्होंने आजाद हिन्द फौज बनायी और उसमें महिलाओं को भी भागीदार बनाया। नेताजी ने आईसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद भी अंग्रेजों की सेवा करने से इन्कार कर दिया। नेताजी के शब्दों में उत्साह था और उन्होंने नारा दिया कि 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा'। नेताजी के मन के विश्वास के कारण लोग देश के लिये बलिदान को तैयार हुए। उन्होंने कहा कि जिन शहीदों ने देश की आजादी के लिये त्याग व बलिदान दिया उनके आदर्शों पर चलना हमारा कर्तव्य है।

श्री नाईक ने कहा कि हमारे महान नेताओं के नारों में जान थी। महात्मा गांधी ने क्विट इण्डिया का नारा दिया। भगत सिंह ने 'वन्दे मातरम', पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान जय किसान' तथा पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 'जय विज्ञान' का नारा दिया। अंग्रेजों का मानना था कि भारत आजाद होकर विकास नहीं कर सकता मगर आज हमारे देश का जनतंत्र मजबूत है। उन्होंने कहा कि हमें स्वतंत्र देश के नागरिक होने के नाते स्वराज को सुराज में बदलने का संकल्प करना चाहिए यही हमारे महान नेताओं के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अंजुम/ललित/राजभवन (28/28)